12.29 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

LOSS BY DUE TO FIRE IN TV STUDIO, SRINAGAR

SHRI RAJENDRA KUMAR SHARMA (Rampur): I call the attention of the hon. Minister of Information and Broadcasting to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:

"Reported loss to the tune of lakhs of rupees due to fire in the TV Studio, Srinagar on 3 April, 1978 and action taken against persons found guilty for the incident."

PROF P G. MAVALANKAR (Gandhinagar:): I do not know whether I should call it a point of order or a point of submission with regard to this matter. I remember reading the proceedings of Parliament during the last three days, the Minister has already made a statement on this when the Ministry's demands were discussed.

MR SPEAKER: I got the matter looked into, my office said that the Minister had not covered this point.

SHRI KANWAR LAL GUPTA (Delhi Sadar): It is absolutely wrong, the Minister did make a statement on that matter, before the discussion started You can ask the Minister. Your information is absolutely wrong.

PROF. P. G. MAVALANKAR: You can ask the Minister whether he made a statement or not... (*Interruptions*) If he has got any fresh evidence, additional matters, important news, he may give. But what is the point in repeating the same thing?

MR. SPEAKER: Mr. Mavalankar, this point did strike me. I asked the Office to check up the Minister's speech and after we got it checked up, I allowed the question. All that the Minister said was:

"I would like to inform the House that according to information available, a fire broke out in Srinagar Television Studios at about 1.15 A.M this morning. The fire lasted upto about 4.30 this morning. The main studio has been affected seriously by the fire and the adjoining control room and technical areas have also been damaged. The Security Guard and the Chowkidar on duty acted immediately fighting the fire."

He has not given the details nor the assessment of damage. Nothing of that sort. Perhaps he did not have it at that time That is why, We allowed this question.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATON AND BROADCASTNG (SHRI JAGBIR SINGH): As the House is already aware a fire broke out at about 1 15 A.M. on 3rd April, 1978 in the Studio complex of Doordarshan Kendra Srinagar. The fire was detected by the Chowkidar and BSF Guard on duty and was immediately reported to the fire brigade which reached the scene in about 7 to 10 minutes Doordarshan and All India Radio and other staff rushed to the scene with utmost speed. Concerted efforts brought the situation under control by 4.30 A.M.

There are two studios at Srinagar—a large and a small one The main studio and the associated controlled areas were completely gutted. The loss is estimated at about Rs. 65 lakhs, comprising equipment Rs. 50 lakhs, building Rs 5 lakhs, and air conditioning and coustic treatment Rs. 10 lakhs.

Police are investigating the cause of the fire State Government has entrusted the case to the Criminal Investigation Department whose report is awaited. However, preliminary indications are that the fire may have been caused by a short circuit.

[Shri Jagbir Singh]

Director-General, Doordarshan, Chief Engineer and the Planning Officer rushed to Srinagar in the morning of the 3rd April itself to supervise salvage operations and restore normalcy in transmission. The staff of Doordarshan, All India Radio, BSF, Police and Fire Brigade showed exemplary team work and dedication to duty in fire-fighting and salvaging the equipment of the order of Rs. 125 lakhs.

Steps were taken immediately so that there was no interruption in regular programme transmission Micro-wave equipment was flown from Delhi by an Air Force plane. Out-door broadcasting van was moved up the Shankaracharya Hill and an improvised studio was set up near the transmitter on that hill. Usual transmission of 4 hours was telecast on the evening of April 3 itself.

I have also visited Srinagar on the 4th of April and seen the measures taken myself and would like to place on record my appreciation of the co-ordination and team spirit exhibited by the personnel of both the State and Central Governments.

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, विषय बहुत गम्भीर और चिन्ताजनक है। आज से लगभग साढ़े चार माह पूर्व आकाशवाणी, दिल्ली में भी आग लगी थी और उसके विषय में यह निश्चित रूप से कहा गया था कि उस स्थल पर दो अजनबी व्यक्तियों को भागते हुए देखा गया, जिस समय वहां पर आग लगाई गई। उस विषय में आज तक मंत्रालय की तरफ से कोई स्टेटमेंट नहीं दिया गया और न सदन को सूचना दी गई।

उसी संदर्भ में मैं आज यह स्पष्ट कह देना चाहता हूं कि श्रीनगर बहुत सैंसटिव प्लेस है, बेशक भारत और पाकिस्तान के सम्बन्ध बहुत मधुर बन चुके हैं और दोनों सरकारें प्रयत्नशील हैं, और प्रयास कर रही हैं कि हमारे सम्बन्ध मधुर रहें, लेकिन उसके बावजूद भी देश के अन्दर कुछ इस प्रकार की विघटनकारी शक्तियां कार्य कर रही हैं जो यह सिद्ध करना चाहती हैं कि एमरजेंसी ठीक थी और जगह जगह देश को नुकसान पहुंचाना चाहती हैं। मंत्री महोदय ने मौके पर जाकर जांच की है। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या वहां सैबोटेज की कोई बात देखने में आई या नहीं।

इस विषय में कोई उत्तर नहीं दिया गया है कि इस कार्य की लायबिलिटी किस पर डाली गई है। यह फायर किस तरह लगी और टी० वी० स्टेशन कैसे जला? वहां पर लगभग 1 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मंत्री महोदय ने स्वयं स्वीकार किया है कि लगभग सवा करोड़ रुपये का एक्विपमेंट और दूसरी चीजें बचा ली गईं। राष्ट्र के हित को यह जो नुकसान पहुंचाया गया है, इसके लिए वहां पर कौन लोग जिम्मेदार हैं और किन कारणों से यह आग लगी है, इसका कोई उत्तर नहीं मिला है।

यहां पर जब आकाशवाणी भवन को आग लगाई गई थी, तो यह जानकारी मिली थी कि एमर्जेंसी के समय के भूतपूर्व सरकार के मुख्य व्यक्तियों के कुछ टेप्स वहां पड़े हुए थे, जिनको नष्ट करने के लिए वह आग लगाई गई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या श्रीनगर के स्टेशन में कोई रिकार्ड रूम है, जिसमें कोई ऐसे टेप्स थे, जिनको नष्ट करने के लिए, प्रूफ और एवीडेंस को खत्म करने के लिए, यह प्रयत्न और यह प्रयास किया गया हो।

श्री जगबीर सिंह : माननीय सदस्य ने दो तीन बातें उठाई हैं। एक तो यह है कि क्या इस घटना के पीछे सैबोटेज तो नहीं है। मैं स्वयं मौके पर गया और मेरी बातचीत हुई।

हमारे एस० आई० बी० की भी वहां के चीफ मिनिस्टर से बात हुई है। अब तक जो इंडीकेशन्स हैं, उनकी बिना पर कहा जा सकता है कि इसमें सैबोटेज की कोई बात नहीं है।

वहा पर हमारे काफ़ी सिक्युरिटी मेजर्ज थे। आग करीब सवा बजे लगी। अब तक की प्रिलिमिनरी एनक्वायरी से मालूम होता है कि शार्ट सर्कट ही इस आग का कारण है। सवा करोड रुपये की जो बात मैंने कही है, वह यह है कि इतना हम लोगो ने बचाया है। यह नही कहा हैं कि इतना नुकसान हुआ है। नुकसान 65 लाख रुपये का हुआ है। सवा करोड रुपये का नुकसान हमारे लोगो ने होने से बचा लिया है, जो मौके पर थे, और जो बहुत जल्दी, फौरन, वहा आ गए थे। उन्होने बहुत बहादुरी के साथ उस सामान को बचाया, जिसमें एक ओ० बी० वैन ही 80 लाख रुपये का था।

12.32 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE

TWELFTH AND FIFTEENTH REPORTS AND MINUTES

SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK (Sonepat) Sir, I beg to present the following Reports and Minutes of the Estimates Committee:—

(1) Twelfth Report on the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation) —Development or Irrigation Facilities

(2) Fifteenth Report on Action Taken by Government on the recommendations contained in their Seventy-ninth Report (Fifth Lok Sabha) on the Ministry of Education and Social Welfare—Youth Education, Youth Welfare and National Integration.

(3) Minutes of sittings of the Committee relating to the above Reports.

12.33 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) NON-PAYMENT OF WAGES OF WORKERS OF TWO SUGAR MILLS IN DEORIA AND GORAKHPUR DISTRICTS

श्री रामधारी शास्त्री (पदरौना) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले की लक्ष्मी देवी शुगर फैक्टरी, छितौनी और गोरखपुर जिले की घुघली चीनी मिल की स्थिति की ओर मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

लक्ष्मीदेवी शुगर फैक्टरी छितौनी मे मजदूरों का वेतन पिछले नौ महीनो से बाकी है। लगातार नौ महीनो से मजदूरो को वेतन नही मिला। उनके बोनस, ग्रैचुइटी और छुट्टी के वेतन आदि सब को मिला कर उनके ड्यूज 35,03,836 रुपये के होते हैं। इसके अलावा 4 लाख रुपया गन्ना किसानो का बाकी है। अगर सरकार का बकाया भी इसमे मिला दिया जाये, तो लगभग एक करोड रुपया उस फैक्टरी पर बकाया है। यह भी नही है कि प्राइवेट लोग उस फैक्टरी को चला रहे हैं। सरकार ने उसे ले लिया है और रिसीवर द्वारा उसे चलाया जा रहा है। कलेक्टर उसकी देखभाल करता है। फिर भी उसकी स्थिति मे सुधार नही हुआ है। वहां के मजदूरो ने नोटिस दे दिया है कि अगर अब भी उनका वेतन न मिला, तो वे फैक्टरी को बन्द कर देंगे, जिसका लाज़िमी नतीजा यह होगा कि लाखों मन गन्ना खेतो मे बच जायेगा और किसानो की भी करोडो रुपयो की क्षति होगी।

दूसरी फैक्टरी जो गोरखपुर जिले की घुघली फैक्टरी है उसके बारे मे मुझे मालूम हुआ है कि 14 महीने की तनख्वाह मजदूरो को वहां नही मिली और वहा भी लेबर के ड्यूज और किसानों का बकाया सब मिलाकर लगभग 95 लाख रुपया इस फैक्टरी के ऊपर बाकी है। बार बार सरकार